जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 240 प्रभात कोटा, शनिवार 14 जून, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

इज़रायल ने शुक्रवार की सुबह ईरान में 100 टारगैट्स पर हवाई अटैक किया

इस अटैक में इज़रायल के 200 लड़ाकू विमान शामिल थे। ईरान के न्यूक्लियर प्रतिष्ठान व आर्मी कमांड सैन्टर नष्ट किये तथा ईरान के टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट व आर्मी कमांडर मारे गए

- ट्रंप ने ए.बी.सी. न्यूज़ को कहा, यह एटैक ''एक्सलैंट'' था तथा ईरान को भारी आघात पहुँचा है और अभी इससे भी भारी चोट पहुँचेगी तथा ऐसे और अटैक आ रहे हैं व ''प्लान्ड'' हैं।
- ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान ने यह हमला अपने आप मोल लिया है, बार-बार अमेरिका की ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करने की मांग को ठुकरा कर।
- इज़रायल ने अपने आक्रमण को सही ठहराने का प्रयास करते हुए कहा कि ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम उस आयाम के नज़दीक पर पहुँचने वाला था, जहाँ से प्रोग्राम को वापस लाना नामुमकिन होने वाला था।
- अमेरिका ने एक वक्तव्य जारी करके कहा कि ट्रंप प्रशासन ने वो सब कदम उठा लिये हैं, जो अमेरिकी सेना को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक हैं तथा वक्तव्य में ईरान को चेतावनी दी कि वो अमेरिका के प्रतिष्ठानों व नागरिकों को किसी भी तरह की हानि पहुँचाने का प्रयास न करे।
- ईरान ने सौ ड्रोन्स लाँच किये, इज़रायल की ओर, हमले के प्रत्युत्तर में।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के समर्थन से इज़राइल द्वारा शुक्रवार सुबह ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले में कई परमाणु वैज्ञानिक और ईरान की सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष कमांडर मारे गए। यह घटना दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर धकेलती प्रतीत हो रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का कोई अंत नहीं दिख रहा है, जबकि ट्रंप ने दोनों को वार्ता की मेज पर लाने का वादा किया था, वहीं इज़राइल द्वारा गाज़ा में फिलिस्तीनियों पर किया गया अमानवीय युद्ध और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव पहले ही हालात को विस्फोटक बना चुका है। ऐसे में ईरान पर इज़राइल का यह हमला अत्यंत भड़काऊ क़दम है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का पागलपन शुक्रवार को उस समय खुलकर सामने आ गया जब उन्होंने कहा कि ईरान पर इज़राइल का हमला ''शानदार'' रहा और उन्होंने चेतावनी दी कि अभी तो बहुत कुछ बाकी है। ट्रंप यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने ''प्लेन क्रैश साइट'' का अवलोकन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद की भीषण विमान दुर्घटना में हुई अनेक लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि

- प्र.मंत्री ने एक्स पर सभी मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी और कहा, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, हम उनके साथ हैं।

उन्होंने जो असहनीय पीड़ा सही है और अपनो को खोया है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के दुर्घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का प्रत्यक्ष जायज़ा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और आपातकालीन राहत दलों से मुलाकात की, जो इस भीषण त्रासदी के बाद लगातार राहत और बचाव कार्य में लगे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अलग-अलग पोस्ट में कहा ''अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना से हम सभी बेहद दुखी हैं। इतनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व के सबसे ''सेफ'' हवाई जहाज ''ड्रीमलाइनर'' में इतना बड़ा हादसा कैसे हो गया?

यह सवाल अब सबकी जुबान पर है। क्रैश का कारणः मैकेनिकल त्रुटी, ह्युमन एरर, पायलट की गलती व गलत निर्णय, लापरवाही है, या इन सब त्रुटियों का मिला-जुला असर है यह क्रैश

- इसी लय में टाटा समूह के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने टाटा के कर्मचारियों को मर्मस्पर्शी पत्र लिखा कि जाँच में वे पूर्ण पारदर्शिता रखेंगे तथा अथॉरिटीज़ से पूरा सहयोग करेंगे, दुर्घटना की गहराई तक जाने में, चाहे जितना भी समय लगे, जाँच पूरी होने में।
- दुर्घटनाग्रस्त हवाई जहाज का ब्लैक बॉक्स व फ्लाइट डिजिटल रिकॉर्डर भी मिल गया है तथा जाँच शीघ्र ही पूरी होने की आशा बनी है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। विमान दुर्घटना, इतने ज्यादा लोगों की जीवन-लीला के अन्त, प्रियजनों को खो देने की अवर्णनीय दुखांतिका के बाद, यह समय यह जानने का है कि क्या हुआ था और उससे भी महत्वपूर्ण है यह जानना, कि यह सब आखिर क्यों हुआ।

क्या यह सिर्फ मशीन की गड़बड़ी, मानवीय त्रुटि, पायलट की गलती, गलत निर्णय, लापरवाही में से कोई एक वजह थी या फिर दुर्घटना के पीछे ये सब कारक शामिल थे।

टाटा के अध्यक्ष चन्द्रशेखर ने टाटा के कर्मचारियों को लिखे मर्मस्पर्शी पत्र में पूरी तरह पारदर्शी जाँच का वादा किया है तथा कहा है कि टाटा कम्पनी पूरी तरह सहयोग करती रहेगी, भले ही जाँच कितने भी लम्बे समय तक चले।

उन्होंने कहा कि टाटा कम्पनी मृतकों के साथ खड़ी रहेगी तथा घायलों की मदद करेगी, क्योंकि ''सबसे पहले मानवता'', हमेशा से यही टाटा का आदर्श (मोटो) रहा है। मृतकों के परिवारों को 1 करोड़ रूपए देने की घोषणा की जा चुकी है।

डीजीसीए ने अन्य एयरक्राफ्ट्स की कड़ी जाँच की मांग करते हुए पत्र लिखा है तथा कहा है कि इस समय संचालित सभी फ्लाइट्स के लिए कोई शिथिलता या शॉर्टकट काम में नहीं लिये जाएं।

इंग्लैंड, बोइंग कम्पनी, अमेरिका तथा भारत के जाँच दल अहमदाबाद पहुँच चुके हैं तथा जाँच-पड़ताल शुरु होने को है।

ब्लैक बॉक्स तथा फ्लाइट डिजिटल रिकॉर्डर मैडिकल कॉलेज के हॉस्टल के मलबे से मिल गये हैं तथा इनसे ''क्या हुआ था'' और ''कैसे हुआ था'' की काफी कुछ जानकारी मिल सकेगी।

ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट के तकनीकी पैरामीटर की जानकारी के साथ ही, यह जानकारी भी मिल जायेगी कि क्या, कहाँ तथा कैसे गड़बड़ी हुई थी। फ्लाइट डिजिटल रिकॉड, कॉकपिट में हुई बातचीत का ब्यौरा देगा, जिससे इस चीज़ का संकेत मिलेगा कि पायलट तथा को-पायलट को क्या महसूस हुआ था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमरावती वैश्याओं की राजधानी है, जहां सिर्फ एड्स के मरीज रहते हैं'

ऐसी भद्दी टिप्पणी करने वाले पत्रकार को भी जमानत देने का निर्णय लिया सुप्रीम कोर्ट ने

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह टिप्पणी उक्त पत्रकार के कार्यक्रम में शामिल एक पैनलिस्ट ने की थी, इसलिए पत्रकार को जमानत देना उचित होगा।
- आंध्र सरकार, जिसने पत्रकार के खिलाफ केस किया था, के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, जब पैनलिस्ट ने उक्त भद्दी टिप्पणी की तब पत्रकार ने उसे रोका नहीं, उलटे वह हंस रहा था, इसलिए वह भी बराबर का दोषी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पत्रकार कोममिनेनी श्रीनिवास राव को जमानत दे दी, जिन्हें 9 जून को साक्षी टीवी के एक टॉक शो के दौरान एक पैनल सदस्य के कथित अपमानजनक बयान के कारण गिरफ्तार किया गया था।

न्यायाधीश पी के मिश्रा और मनमोहन की बेंच ने कहा कि राव ने खुद वह बयान नहीं दिया है और उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जानी चाहिए।

कोर्ट ने आदेश दिया, ''चूंकि याचिकाकर्ता ने स्वयं वह बयान नहीं दिया है और लाइव टीवी शो में उनकी पत्रकारिता भागीदारी की रक्षा होनी चाहिए तथा उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी संरक्षण किया जाना है, इसलिए याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाए।'' राव साक्षी टीवी पर 'केएसआर लाइव शो' नामक कार्यक्रम होस्ट करते हैं। इस शो के एक पैनलिस्ट ने कथित तौर पर अमरावती को ''वैश्याओं की राजधानी'' कहा था ,जहाँ ''केवल एड्स रोगी रहते हैं''। इस बयान के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इस टिप्पणी से महिलाओं की भावनाएं आहत हुई हैं। यह भी आरोप लगाया गया था कि राव ने इस बयान पर आपत्ति नहीं जताई, बल्कि इसे सुनकर हँसते हुए भी दिखे।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे, जो राव का पक्ष रख रहे हैं, ने शुक्रवार को कहा कि उनका पैनलिस्ट के बयान से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि राव उस व्यक्ति का समर्थन कर रहे थे, जिसने यह बयान दिया। रोहतगी ने कहा, ''वे (राव) हँस रहे थे।'' लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं था। बेंच ने कहा, ''अगर कोई आपत्तिजनक बयान देता है तो हम उस पर हँसते हैं। वह इसे नहीं कह रहा है।'' कोर्ट ने राव की उम्र पर भी ध्यान दिया और कहा कि वे लगभग 70 वर्ष के वरिष्ठ पत्रकार हैं। इसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई।

अंबानी परिवार को ज़ैड प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उद्योगपति

- सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी परिवार को मिल रही ज़ैड प्लस सुरक्षा के खिलाफ दायर याचिका को ''तुच्छ'' ठहराते हुए खारिज़ किया और याचिकाकर्ताओं को भविष्य में ऐसी याचिका दायर नहीं करने की चेतावनी दी।

मुकेश अंबानी तथा उनके परिवार को दिये गये ज़ैड प्लस सिक्योरिटी कवर को चुनौती दी गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हुए कहा कि जो मुद्दा सरकारी अधिकारियों पर छोड़ा जाना चाहिये, उसमें बार-बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या अहमदाबाद क्रैश के कारण यात्रियों का हवाई यात्रा के प्रति विश्वास डगमगा गया है?

एयर इंडिया ''वर्ल्ड क्लास एयर लाइंस'' बनने का सपने संजोये बैठी थी, पर, इस हवाई दुर्घटना ने एयर इंडिया की इस महत्वाकांक्षा को ''क्रैश लैण्ड'' करा दिया?

- अब यात्री एयर इंडिया की टिकट खरीदने से पहले, विशेषकर अगर हवाई जहाज बोइंग कम्पनी का ''ड्रीम लाइनर'' है, तो उनकी हिचकिचाहट और दोगुनी हो जाएगी।
- वैसे यह भी उल्लेखनीय है कि ड्रीमलाइनर का रिकॉर्ड था, जब से बोइंग कम्पनी ने इस प्लेन को लाँच किया था। अब तक अहमदाबाद की दुर्घटना के पहले तक, कोई भी ऐसा एक्सीडैंट नहीं हुआ था, जिसमें किसी इंसान की मृत्यु हुई हो।
- पर, अब एयर इंडिया व सिविल एविएशन को जनता का विश्वास पुनः जीतना है तो केवल मृतक यात्रियों के परिजनों को एक करोड़ रूपए का मुआवज़ा देना पर्याप्त नहीं होगा। जनता के मन में पहले तो यह साफ होना पड़ेगा कि जाँच में केवल लीपा-पोती नहीं हो रही है, बल्कि सच्चाई तक पहुँचने के लिए पारदर्शी तरीके से जाँच पूरी की गई है तथा दोषी व्यक्ति को बचाने की कोई कोशिश नहीं की गई है तथा प्लेन डिज़ाइन करने वालो, उस प्लेन के निर्माताओं को और उसके रख-रखाव की प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी करनी होगी, किसी भी तरह की कोताही नहीं की जायेगी, तब शायद जनता का विश्वास पुनः जमना शुरु होगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। अहमदाबाद के आसमान में विमान ए.आई.-171 की उड़ान की गड़गड़ाहट अभी थम भी नहीं पाई थी कि एक भयावह हादसा घटित हो गया-सिर्फ 30 सेकंड में एक ऐसी विपत्ति सामने आई, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। मॉडर्न एविएशन का प्रतीक माना जाने वाला बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक जलते हुए मलबे में तब्दील हो गया, 241 लोगों की जान चली गई और पूरा देश स्तब्ध रह गया।

बारह जून की यह दुर्घटना न केवल एयर इंडिया की बीते एक दशक की सबसे भयावह त्रासदी है, बल्कि ग्लोबल सिविल एविएशन के लिए भी एक झटका है और हवाई सुरक्षा में यात्रियों के भरोसे की एक कठिन परीक्षा भी। लेकिन इस त्रासदी के बीच एक अहम सवाल अब सिर उठाने लगा हैः क्या यह हवाई यात्रा एक बड़े संकट की शुरुआत है, या फिर एक अलग-थलग, भयावह हादसा मात्र है?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल के प्र.मंत्री ने मोदी को फोन किया

नयी दिल्ली, 13 जून। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन पर ईरान पर हमले और वहां की स्थिति की जानकारी दी।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट में बताया, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन आया। उन्होंने मुझे

- प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर बताया कि इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजॉमिन नेतन्याहू ने फोन पर ईरान पर हमले और मौजूदा हालात की जानकारी दी।

उभरती हुई स्थिति के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा, मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

24 देशों में किये गये सर्वे में ट्रंप की छवि ''नैगेटिव'' पायी गई

अमेरिका की कम्पनी प्यू रिसर्च सैन्टर द्वारा किये गये इस सर्वे में, अधिकतर लोगों को विश्वास नहीं कि ट्रंप विश्व की समस्या को सुलझाने में कोई सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं

- जब लोगों से ट्रंप के व्यक्तित्व के बारे में पूछा गया तो 80 प्रतिशत लोगों ने ट्रंप को ''एरोगेन्ट'' (अभिमानी) बताया।
- साथ ही दो तिहाई लोगों ने ट्रंप को ''खतरनाक'' बताया।
- परंतु 5 देशों, हंगरी, भारत, कीनिया, नाईजीरिया व इज़रायल में लोगों ने ट्रंप के प्रति विश्वास जताया।
- सबसे ज्यादा विश्वास लोगों ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन में जताया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व रूस के राष्ट्रपति पुतिन की रेटिंग ट्रंप से भी कम है। पुतिन की सबसे कम 16 प्रतिशत ही है।
- ट्रंप के मुकाबले पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ''ईमानदारी'' व योग्यता की दृष्टि से काफी बेहतर है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद से डॉनल्ड ट्रंप को विश्वस्तर पर एक कठोर हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सैंटर द्वारा 24 देशों के नागरिकों में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप की छवि बेहद ध्रुवीकृत और अधिकांशतः नकारात्मक है। इन 24 में से 19 देशों के आधे से ज्यादा लोग कहते हैं कि उन्हें वैश्विक मामलों में नेतृत्व करने की ट्रंप की क्षमता पर जरा भी भरोसा नहीं है।

जनवरी से अप्रेल 2025 के बीच 28000 लोगों के बीच हुए इस सर्वे से यह पता चलता है कि वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन, अप्रवासन, चीन, रुस और इज़रायल, फिलीस्तीन आदि से निपटने के ट्रंप के तरीके को संदेह की नज़र से देखा जा रहा है, यही नहीं, उसे तिरस्कृत भी किया जा रहा है।

इन मुद्दों पर उनके नेतृत्व पर भरोसा बहुत ही कम है। सिर्फ 21 प्रतिशत लोग मानते हैं कि ट्रंप जलवायु संकट से निपट सकते हैं, सिर्फ 36 प्रतिशत को उनकी इमिग्रेशन नीति पर भरोसा है। रुस-यूक्रेन युद्ध, जो अब नाटो देशों की प्रमुख चिंता है, को लेकर अधिकांश देशों में ट्रंप पर बहुत कम भरोसा है, सिवाय हंगरी और यूनान के, जहां राय विभाजित है।

उनके चीन के साथ संबंध भी अच्छे नहीं हैं। अमेरिका के दक्षिण एशियाई सहयोगी देश जापान और दक्षिण कोरिया के अधिकांश लोग कहते हैं कि उन्हें भरोसा नहीं है कि ट्रंप अमेरिका -चीन सम्बंधों को प्रभावी तरीके से मैनेज कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी 77 प्रतिशत को ट्रंप पर भरोसा नहीं है, या बहुत कम भरोसा है।

वैश्विक आर्थिक मुद्दों को हैंडल करने की क्षमता पर 67 प्रतिशत लोगों ने संदेह जताया है। यह स्थिति 2 अप्रैल की उनकी टैरिफ घोषणा से पहले की है, जिसने सारी दुनिया को हिला दिया था।

मैक्सिको में तो ट्रंप की छवि बहुत खराब है, जहां इमिग्रेशन पर उनके सख्त रुख की वजह से 87 प्रतिशत लोग ट्रंप को नकारात्मक रुप में देखते हैं। टर्की में भी दस प्रतिशत को ही लगता है कि वे मिडिल ईस्ट को मैनेज कर सकते हैं।

इज़रायल में जरुर उन्हें अच्छा समर्थन मिला है। यहां 62 प्रतिशत लोग मानते हैं कि वे पड़ोसी राज्यों के साथ टकराव को हैंडल कर सकते हैं और दक्षिणपंथी विचारधारा के साथ यह समर्थन 83 प्रतिशत है।

जब ट्रंप की व्यक्तिगत विशेषताओं के बारे में बात की गई तो अधिकांश ने उन्हें ''ऐरोगैंट'' (अहंकारी) करार दिया। सभी 24 देशों के 80 प्रतिशत लोगों ने उन्हें यह तमगा दिया। लगभग दो तिहाई उन्हें ''खतरनाक'' मानते हैं। अधिकांश ने इस धारा को नकार दिया कि ट्रंप ईमानदार हैं। दस में से चार ही मानते हैं कि ट्रंप जटिल समस्याओं को समझते हैं और कूटनीतिक रुप से कुशल हैं। विरोधाभास यह है कि अब भी अधिकांश लोग उन्हें मजबूत नेता मानते हैं, 18 देशों में अधिकांश लोग उन्हें ताकतवर नेता मानते हैं और 2017 के बाद उनके प्रति यह धारणा और बढ़ी है, उन देशों में भी, जहां ट्रंप के नेतृत्व पर लोग भरोसा नहीं करते हैं।

ट्रंप की सार्वजनिक छवि को लेकर भी भारी वैचारिक विभाजन है। यूरोप के दक्षिणपंथी आंदोलनों से जुड़े लोग उन्हें सकारात्मक रुप में देखते हैं। भारत, हंगरी, कीनिया, नाइजीरिया व इज़रायल में आधे या उससे कुछ अधिक लोगों की राय ट्रंप के लिए सकारात्मक है।

ट्रंप की विवादास्पद वापसी के साथ ही विश्व में अमेरिका की छवि भी गिरी है। जिन 24 देशों में सर्वे हुआ, उनमें से 15 देशों में अमेरिका की छवि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, श्रीगंगानगर में पारा 49.4 डिग्री पर

श्रीगंगानगर, 13 जून। राजस्थान में शुक्रवार को भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा और सीमावर्ती शहर गंगानगर में अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने उम्मीद जताई कि शनिवार से राज्य के कई इलाकों में

- मौसम विभाग ने उम्मीद जताई कि शनिवार से प्री मानसून गतिविधि शुरु होने से गर्मी से राहत मिल सकती है।

मानसून पूर्व मौसमी गतिविधियां शुरू होने से लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलेगी। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, शुक्रवार को गंगानगर में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.9 डिग्री अधिक 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में सबसे अधिक है।